देहरादून, मसूरी एवं सहारनपुर से एक साथ प्रसारित

दैनिक

◆देहरादून संस्करण◆

◆बढ़ते कदम ऊंचाई की ओर◆

न्यूज़ डिटेल

वर्ष 14, अंक 68 | देहरादून, शनिवार 1 फरवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1.00 रू

देहरादून.....7

सूबे के पांच जनपदों में बनेंगे आधुनिक वेयरहाउस....

अंदर पृष्ठों पर....

राष्ट्रीय.....

....4

एक देश एक चुनाव...

राजधानी.....

....8

कार्यस्थल पर यौन...

RAJ COMMUNICATION
Promote Your Business
Public Relation | Media Monitoring | Digital

Public Relation Agency

RAJ COMMUNICATION

Services:

◆ Public Relations ◆ Press Conference ◆ Media Monitering ◆ Crisis Management

◆ Event Management ◆ Digital PR ◆ Branding ◆ Marketing ◆ Story Telling ◆ Advertising

NETWORK ACROSS INDIA:- Punjab | Haryana | Himachal Pradesh | Uttarakhand | J&K | Delhi | Uttar Pradesh | Bihar | Jharkhand | Madhya Pradesh | Rajasthan | Maharashtra | Gujarat | Pune | Hyderbad

Head Office- 6, Saharanpur Road, Dehradun- 248001 (U.K.) Mob: 7417010666, 7417100666, 9193838389, Website: www.rajcommunication.net, Email: cmd.rajcommunication@gmail.com

डोईवाला में हिरासत में लिए गए उमेश कुमार, बैठक पर पुलिस की पैनी नजर

देहरादून,संवाददाता। पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन और खानपुर से वर्तमान निर्दलीय विधायक उमेश कुमार का फायरिंग विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। खानपुर विधायक उमेश कुमार के कार्यालय में शुक्रवार को ब्राह्मण समाज की बैठक का ऐलान होने के बाद पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड पर है। उमेश कुमार के कार्यालय को जाने वाले मार्ग पर चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई। उमेश कुमार को डोईवाला पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इस दौरान उमेश कुमार ने पुलिस के हिरासत में लिए जाने को गलत बताया।

गौर हो कि एक बार फिर पुलिस ने खानपुर से वर्तमान निर्दलीय विधायक उमेश कुमार को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि खानपुर से वर्तमान निर्दलीय विधायक उमेश कुमार ने अपने कार्यालय में ब्राह्मण समाज की बैठक बुलाई थी। जिसके बाद उन्हें डोईवाला पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उमेश उस दौरान अपने कार्यालय की ओर जा रहे थे। विधायक उमेश कुमार ने कहा कि पुलिस का शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए, उनको हिरासत में लेना गलत है। उन्होंने कहा कि वो अपनी बात शांति से रखना चाहते थे, पुलिस प्रशासन को इस तरह की हरकत नहीं करनी चाहिए। उमेश कुमार ने कहा कि पुलिस अपना काम कर रही है और वो अपना काम कर रहे हैं। उमेश कुमार ने कहा कि उन्होंने सभा के लिए मना कर दिया था, लेकिन लोगों तक सूचना नहीं पहुंच सकी।

उन्होंने कहा कि वो लोगों से मिलने जा रहे थे, लेकिन लक्सर को पुलिस ने छावनी बना दिया है। उन्होंने सभी से शांति बनाए रखने की मांग की। उन्होंने कहा कि देवभूमि में अराजकता और माहौल खराब ना हो, यही उनका मानना है। कहा कि ये लोगों की लड़ाई है और इसे सर्व समाज की लड़ाई ना बनाई जाए। उन्होंने कहा कि वो कानून और संविधान को मानने वाले लोग हैं। जो भी होगा उसे कानूनी रूप से देखा जाएगा।

चैंपियन के जेल जाने के बाद गुर्जर समाज की महापंचायत बुलाई थी, जिसके बाद कुंवर प्रणव ने पत्र लिखकर इसे स्थगित करने का निवेदन किया था। इसके बावजूद बड़ी संख्या में गुर्जर समाज के लोग कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन के महल के बाहर जमा हुए थे। इस दौरान गुर्जर समाज के लोग चैंपियन को जेल से रिहा करने की मांग करते दिखाई दिए, जबकि उमेश कुमार पर धाराएं बढ़ाने की मांग की गई।

विधायक उमेश कुमार के समर्थन में आए सर्वसमाज के लोगों पर पुलिस का लाठी चार्ज

हरिद्वार,संवाददाता। कुंवर प्रणव चैंपियन और विधायक उमेश कुमार विवाद रोज नया मोड़ ले रहा है। 29 जनवरी को महापंचायत रद्द होने के बावजूद बड़ी संख्या में गुर्जर समाज के लोग चैंपियन के लंढौरा रंगमहल में पहुंच गए थे। शुक्रवार को उमेश कुमार के आह्वान पर सर्वसमाज के उनके समर्थक मीटिंग करने के लिए इकट्ठा हो गए। हालांकि डोईवाला पुलिस ने मीटिंग में शामिल होने निकले निर्दलीय विधायक उमेश कुमार को हिरासत में ले लिया। वहीं उमेश कुमार के समर्थन में मीटिंग करने आए सर्वसमाज के लोगों पर पुलिस ने लाठी फटकारी है। उधर कुछ वीडियो सामने आए हैं जिसमें कुछ लोग पथराव करते दिख रहे हैं। पुलिस उन्हें रोकने का प्रयास कर रही है। पुलिस जांच के बाद ही पता चल सकेगा कि पथराव करने वाले लोग कौन हैं।

जेल में बंद कुंवर प्रणव चैंपियन ने गुर्जर समाज की महापंचायत बुलाए जाने के बाद उमेश कुमार ने भी शुक्रवार को ब्राह्मण समाज की बैठक बुलाई थी। हालांकि बाद में चैंपियन की तरह ही उमेश कुमार ने भी बैठक को रद्द कर दिया था। लेकिन तबतक उमेश कुमार के समर्थन में बड़ी संख्या में लोग लक्सर पहुंच गए। इधर उमेश कुमार भी मीटिंग में शामिल होने निकले तो डोईवाला पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। जब उमेश कुमार के समर्थकों को

समर्थकों पर लगा पथराव का आरोप

ये पता चला तो उन्होंने विधायक के कार्यालय पहुंचकर बैठक में शामिल होने की कोशिश की। पुलिस प्रशासन चैंपियन के समर्थन में आए गुर्जर समाज के लोगों की भीड़ से जूझ चुका था। तब भीड़ ने पुलिस बैरिकेड तोड़ दिया था। इसलिए आज उनकी पहले से ही तैयारी थी। खानपुर बॉर्डर, बालावाली बॉर्डर और रुड़की तिराहा, बालावाली तिराहा पर पुलिस ने बैरिकेड लगा दिए थे। इसके बावजूद भी जब उमेश कुमार के समर्थक लक्सर पहुंच गए तो पुलिस ने लाठी फटकार कर उन्हें पीछे भगाया। हालांकि लोग शाम तक वहीं डटे रहे। पुलिस लोगों को समझाने का प्रयास कर रही थी। लोग उमेश कुमार को उनके पास बुलाने की जिद पर अड़े थे। उधर दूसरी तरफ निर्दलीय विधायक उमेश कुमार के कार्यालय के बाहर पुलिस और पीएसी तैनात रही। किसी के भी अंदर जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहा। हर आने-जाने वाले से सख्ती से पूछताछ की जा रही थी। मौके पर भीड़ इक्ट्ठा न हो इसके लिए अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात रहा। आवागमन के रास्तों पर बैरिकेड के साथ ही ट्रक और डंपर खड़े करने की सूचना भी मिल रही थी जिससे कोई वाहन आर-पार न जा पाए। शहर में बाहर से आए लोग भी जाम के कारण परेशान रहे।

सीएम ने झांकी के सभी कलाकारों को 50-50 हजार की धनराशि देने की घोषणा

देहरादून,संवाददाता। गणतंत्र दिवस पर विभिन्न राज्यों की झांकियों में उत्तराखण्ड की ÷सांस्कृतिक विरासत एवं साहसिक खेल÷ झांकी को तृतीय स्थान मिलने के बाद नई दिल्ली के उत्तराखण्ड निवास स्थित मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी और टीम लीडर व संयुक्त निदेशक सूचना के.एस. चौहान सहित झांकी के कलाकारों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की ÷सांस्कृतिक विरासत एवं साहसिक खेल÷ झांकी को तृतीय पुरस्कार मिलना प्रदेश के लिये सम्मान की बात है।

उन्होंने झांकी में शामिल सभी 16 कलाकारों को 50-50 हजार रुपये मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष के अंतर्गत प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की पसंद पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड की झांकी को तृतीय स्थान प्राप्त होने से राज्य की समृद्ध लोक संस्कृति एवं धार्मिक विरासत को देश-विदेश में विशिष्ट पहचान मिल रही है। मुख्यमंत्री निर्देशानुसार राज्य सरकार द्वारा सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और साहसिक खेलों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए गणतंत्र दिवस की परेड में झांकी के रूप में प्रदर्शित करने का निर्णय लिया गया था।

मुख्यमंत्री के निर्णयों से साहसिक खेलों के लिए अवस्थापना सुविधाओं को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रंगशाला शिविर में सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तराखण्ड राज्य की झांकी के कलाकारों को द्वितीय पुरस्कार मिला और कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में ÷सांस्कृतिक विरासत एवं साहसिक खेल÷ पर आधारित उत्तराखण्ड झांकी को भी लोगों की पसंद के आधार पर देश में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।इस अवसर पर झांकी के कलाकार सुरेश राजन, तरुण कुमार, राजेश कुमार, रवीन्द्र कुमार, अभिषेक पाण्डेय, अमन विश्वकर्मा, शुभम बेरी, रेखा पूना, कमला पन्त, चन्द्रदीप राजन, प्रियंका आर्या साही, अंजलि आर्या, रश्मि पन्त, निकिता आर्या, साक्षी बोहरा उपस्थित रहे।

पौड़ी में एलयूसीसी के प्रबंधक समेत पांच पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज, जांच हुई तेज

पौड़ी, संवाददाता। पुलिस ने द लोनी अर्बन मल्टीस्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट को-ऑपरेटिव सोसायटी (एलयूसीसी) के प्रबंधक समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है. ये मुकदमा निवेशकों से धोखाधड़ी के मामले में किया गया है. पुलिस ने सोसायटी की एक एजेंट की शिकायत पर यह कार्रवाई की है. जिसमें आरोप लगाया गया कि सोसायटी ने 150 निवेशकों से लगभग 2 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. अब इस बात की पड़ताल की जा रही है कि सोसायटी ने किस तरह से निवेशकों को ठगा और फर्जीवाड़े में कौन-कौन शामिल है. पुलिस निवेशकों से भी जानकारी जुटा रही है ताकि ठगे गए पैसों की सही स्थिति का पता लगाया जा सके.

भीड़ की त्रासदी है

रोहित छाबड़ा (राज)
संपादक

जिंदगी एक भी बेहद अमूल्य है, वह किसी भी सूरत में कुचली नहीं जानी चाहिए। यह अक्षम्य मानवीय अपराध तय होना चाहिए।

अंततः साबित हो गया कि महाकुंभ प्रयागराज में 'त्रासद हादसा' हुआ। भीड़ के कारण भगदड़ मची। भगदड़ वैसी ही थी, जैसी इतिहास में दर्ज हैं और हम कई बार देख-सुन चुके हैं। जिंदगी एक भी बेहद अमूल्य है, वह किसी भी सूरत में कुचली नहीं जानी चाहिए। यह अक्षम्य मानवीय अपराध तय होना चाहिए। मौत निश्चित और अपरिहार्य है, लेकिन मौत वह होनी चाहिए, जो नियति ने तय की हो। क्या महाकुंभ की त्रासदी को भी नियति मान लिया जाए? महाकुंभ में करोड़ों श्रद्धालु पुण्य कमाने गए थे और अब भी जा रहे हैं, प्रधानमंत्री मोदी ने भी उन्हें 'पुण्यात्मा' माना है, वे पूर्णतः आस्थामय थे, लिहाजा पवित्र संगम घाट से 200 मीटर की दूरी तक पहुंच गए थे। फिर उनकी आस्था अधूरी क्यों रही? शायद यही नियति हो! बहरहाल भगदड़ मची और सोते, विश्राम करते भक्त भीड़ की कुचलियों तले फंस गए। कुचलन के कारण 30 मौतें हो गई, 60 घायल हुए। उनमें से 36 लोग अब भी अस्पताल में उपचाराधीन हैं। महाकुंभ की यह त्रासदी विश्व भर के मीडिया में छाई है। बड़े-बड़े अखबारों में सुर्खियां, विश्लेषण छापे जा रहे हैं कि भारत इतने व्यापक स्तर पर भीड़ का प्रबंधन करने में नाकाम रहा। सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या कुंभ जैसे अपरिमित जन-आयोजन भारत में किए जाने चाहिए? भारत के सुरक्षाकर्मी भीड़ को नियंत्रित कर रहे थे अथवा महज अपीलें जारी कर रहे थे? अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भारत-विरोधी अभियान-सा छिड़ गया लगता है। बेशक भगदड़ें होती रही हैं, धार्मिक स्थलों पर ज्यादा हुई हैं, लिहाजा ऐसी त्रासदियों को भी नियति माना जाए। दुनिया भर में भयानक और वीभत्स हत्याएं भी की जाती रही हैं। यह एक निरंतर अपराध है। कुंभ या किसी भी जन-सैलाब के दौरान भगदड़ और बर्बर हत्याओं को मीडिया में 'बैनर सुर्खियों' के तौर पर छापा जाता रहा है। कई दिनों तक विश्लेषण भी प्रकाशित किए जाते रहे हैं, लेकिन अलजाइमर की बीमारी दुनिया भर में मौतों की 7वीं सबसे बड़ी और तय कारण है, लेकिन उसकी खबर एक कोने में छपती है।

कई बार तो नजरअंदाज भी कर दिया जाता है। सड़क दुर्घटनाओं में सालाना लाखों मौतें होती हैं, लेकिन इन्हें भी सुर्खियां नहीं बनाया जाता। कोरोना महामारी की खबर तब तक एक कोने में, अंदर के पन्नों पर, छपती रही, जब तक भारत में मौतों का आंकड़ा निरंतर और भयावह नहीं हो गया। दरअसल भारत एक संकरा और भीड़-भाड़ वाला देश है। आबादी करीब 145 करोड़ है और निरंतर बढ़ रही है। गौरतलब है कि भारत में 9 शहर ऐसे हैं, जिनकी आबादी 70 लाख से ज्यादा है। करीब 46 शहर ऐसे हैं, जिनकी आबादी 10 लाख से अधिक है। इन शहरों के पास ऐसे मैदान भी नहीं हैं, जहां 5 लाख की भीड़ को एक जगह संभाल लिया जाए। देश में कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है, जहां एक दिन में 8-10 करोड़ लोगों की भीड़ जमा हो सके और कोई हादसा भी न हो। हमारे रेलवे स्टेशनों पर इतनी भीड़ हो जाती है कि अक्सर भगदड़ के आसार बनते रहते हैं। फिर महाकुंभ में करोड़ों की भीड़ के प्रबंधन और नियंत्रण के दावे क्यों किए गए? पुण्य स्नान के लिए लोगों को आमंत्रण क्यों दिया जाता रहा? बेशक मेला क्षेत्र 4000 हेक्टेयर में फैला है। यह अभूतपूर्व है। सुरक्षाकर्मी 70,000 से अधिक तैनात किए गए हैं, लेकिन स्नान की होड़ में भीड़ उनके निर्देशों को भी नहीं मानती। दरअसल भारत के ज्यादातर लोग धर्म-भीरू हैं, आस्तिक आत्माएं कम हैं, लिहाजा भक्त 10-15 किलोमीटर पैदल चलते रहे, धक्के खाते रहे, संघर्ष करते रहे, क्योंकि उन्हें 'अमृत स्नान' करना था। बहरहाल महाकुंभ की त्रासदी पर न तो इंजीनियर बनें और न ही राजनीतिक विद्वेष फैलाएं। हमें भीड़-तंत्र के विज्ञान को समझना होगा, नहीं तो त्रासदियां भी अपरिहार्य ही रहेंगी।

वोट बैंक और तुगलकी पंचायती फैसले

पलामू गढ़वा और लातेहार में 65 से अधिक पंचायतों पर एफआईआर दर्ज हुई। कई ऐसे भी मामले हैं जिन पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई, शिकायतकर्ता सामने नहीं आए हैं। झारखंड में पंचायत के फैसले के बाद 36 से अधिक लोगों की मौतें हुईं। 40 से अधिक दुष्कर्म के मामलों में पंचायत बैठी है, जिनमें आरोपियों को बचाया गया। सुप्रीम कोर्ट ने ऑनर किलिंग मामले की सुनवाई करते हुए खाप पंचायत पर बड़ा फैसला सुनाया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि खाप पंचायत का किसी भी शादी पर रोक लगाना अवैध है। अदालत ने कहा था कि अगर कोई भी संगठन शादी को रोकने की कोशिश करता है, तो वह पूरी तरह से गैर कानूनी होगा। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे मामलों की रोकथाम और सजा के लिए गाइडलाइन जारी की। इसके बावजूद देश के किसी न किसी कोने से पंचायतों के मनमाने निर्णय सामने आते रहते हैं। राजनीतिक दल जातिगत पंचायतों के ऐसे फैसले रोकने के बजाय इनमें वोट बैंक के हित ढूंढते नजर आते हैं। जब तक राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर कानून का शासन लागू करने पर एकराय नहीं होंगे, तब तक ऐसे फैसले आते रहेंगेः

देश को अंग्रेजों से आजाद हुए 77 साल हो गए, लेकिन कानून का राज अभी तक पूरी तरह कायम नहीं हो सका। राजनीतिक दलों के वोट बैंक के कारण जातिगत पंचायतें अभी भी कानून से इतर तुगलकी फरमान दे रही हैं। इन फरमानों के आगे शासन-प्रशासन बौने साबित हो रहे हैं। राजस्थान के करौली जिले में मीणा महासभा की महापंचायत ने लड़की पक्ष द्वारा विवाह से इंकार किए जाने पर ऐसा ही एक फरमान जारी कर दिया और प्रशासन मूक-बधिर बने खड़ा रहा। महापंचायत द्वारा गठित कमेटी ने रौंसी गांव के लड़की पक्ष के लोगों पर 11 लाख रुपए, रिश्ता तय करने में मध्यस्थ रहे दो जनों पर एक-एक लाख रुपए का दंड लगाया गया। साथ ही रौंसी गांव में लड़के पक्ष पर लगाए 11 लाख के दंड को महापंचायत ने खारिज कर दिया। साथ ही फैसला देने वाले रौंसी क्षेत्र के 5 लोगों को 1100-1100 रुपए से दंडित कर 5 साल के लिए समाज की जाजम से बाहर करने की बात कही। जिन जनप्रतिनिधियों का काम कानून का शासन स्थापित कराना होता है, वही कानून की धज्जियां उड़ाने वाले ऐसे आदिम फैसलों के समर्थन में खड़े नजर आए। इस महापंचायत में टोडाभीम विधायक घनश्याम महर भी पहुंचे। आश्चर्य की बात यह है कि शांति व्यवस्था व महापंचायत पर नजर बनाए रखने के नाम पर 50-60 पुलिसकर्मी भी मौजूद थे, किंतु कोई कार्रवाई नहीं कर सके। महापंचायत के मनमाने निर्णय पर सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस ने कोई एतराज नहीं जताया। मानवाधिकार आयोग को भी अधिकारों के हनन करने वाले ऐसे निर्णय नजर नहीं आते। राजस्थान ही नहीं, देश के दूसरे हिस्सों में भी जातिगत पंचायतें ऐसे फैसले सुनाती रही हैं।

खाप पंचायतें अपने परंपरावादी फैसलों के लिए मशहूर रही हैं। मुजफ्फरनगर के सोरम गांव में खाप महापंचायत ने साल 2014 में फरमान जारी कर लड़कियों के जींस पहनने, उनके फोन और इंटरनेट यूज करने पर बैन लगाया गया था। कुछ लड़कियों के घर से भागने के बाद समाधान के रूप में यह ऐलान किया गया था। ऐसा केवल यूपी में ही नहीं हरियाणा जैसे राज्यों में भी बैन लगाया गया था। साल 2015 में बागपत में एक खाप पंचायत ने दो बहनों के साथ रेप करने और उन्हें निर्वस्त्र करके गांव में घुमाने का आदेश जारी किया था। उन्हें उनके भाई के अपराध की सजा दी गई। उनका भाई एक ऊंची जाति की महिला के साथ भाग गया था। जुलाई 2010 में हरियाणा की सर्व खाप जाट पंचायत ने फरमान जारी किया कि लड़कियों की शादी के लिए उनके बालिग होने का इंतजार नहीं करना है। उनकी शादी अब 15 साल में ही कर देनी है। रेप की घटनाओं में हो रही बढ़ोतरी पर अंकुश लगाने के लिए यह आदेश जारी किया गया था। ऑनर किलिंग, समगोत्रिय विवाह और प्रेम विवाह को लेकर खाप पंचायतें बेतुका बयान जारी करती रही हैं। खाप पंचायतों को न तो सुप्रीम कोर्ट की फटकार का ख्याल है और न ही आलोचनाओं का, तभी तो उनके बेतुके फैसले तालिबानी और तुगलकी फरमान की तरह लोगों के सिर पर पहाड़ बन कर टूटते हैं। झज्जर की खाप पंचायत का मानना था कि आर्य समाजी ढंग से होने वाली शादियों पर तत्काल से प्रतिबंध लगा देना चाहिए। खाप ने यह बेतुका फरमान लव मैरिज को रोकने के लिए सुनाया था। खाप पंचायत प्रेम विवाह के खिलाफ है। खाप ने आर्य समाज में होने वाली शादियों को दुकानदारी करार दिया था। खाप और जातिगत पंचायतों के इस तरह के बेबुनियाद तर्क बदस्तूर जारी हैं। एक खाप ने कहा था कि बलात्कार और यौन शोषण जैसी घटनाओं को रोकने के लिए लड़कियों का बाल विवाह कर देना चाहिए, ताकि वो जवान होने से पहले ही किसी की पत्नी बन जाएं और पुरुष उनकी ओर आकर्षित न हो। महाराष्ट्र के बीड में एक महिला और उसके परिवार के सामाजिक बहिष्कार का आदेश देने पर जाति पंचायत के 9 सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। महिला का सामाजिक बहिष्कार इसलिए किया गया था क्योंकि उसके ससुर ने उस महिला से शादी की थी, जिससे वह प्यार करता था। राजस्थान के चाकसू कस्बे में आपसी सहमति से 2022 में तलाक लेने की जानकारी समाज के अन्य लोगों को लगी तो उन्होंने जातीय पंचायत बैठाकर तलाक लेने के लिए प्रताड़ित किया और 151000 रुपए आर्थिक दंड के रूप में देने का फैसला सुनाया।

झारखंड ऐसी पंचायतों के फैसलों के लिए बदनाम रहा है। पलामू गढ़वा और लातेहार में 65 से अधिक पंचायतों पर एफआईआर दर्ज हुई। कई ऐसे भी मामले हैं जिन पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई, शिकायतकर्ता सामने नहीं आए हैं। झारखंड में पंचायत के फैसले के बाद 36 से अधिक लोगों की मौतें हुईं। 40 से अधिक दुष्कर्म के मामलों में पंचायत बैठी है, जिनमें आरोपियों को बचाया गया। सुप्रीम कोर्ट ने ऑनर किलिंग मामले की सुनवाई करते हुए खाप पंचायत पर बड़ा फैसला सुनाया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि खाप पंचायत का किसी भी शादी पर रोक लगाना अवैध है। अदालत ने कहा था कि अगर कोई भी संगठन शादी को रोकने की कोशिश करता है, तो वह पूरी तरह से गैर कानूनी होगा। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे मामलों की रोकथाम और सजा के लिए गाइडलाइन जारी की। इसके बावजूद देश के किसी न किसी कोने से पंचायतों के मनमाने निर्णय सामने आते रहते हैं। राजनीतिक दल जातिगत पंचायतों के ऐसे फैसले रोकने के बजाय इनमें वोट बैंक के हित ढूंढते नजर आते हैं। यह निश्चित है कि जब तक राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर कानून का शासन लागू करने पर एकराय नहीं होंगे, तब तक ऐसे गैरकानूनी पंचायती फैसले आते रहेंगे।

योगेंद्र योगी, स्वतंत्र लेखक

एक जमा एक, अध्यात्म में एक के बराबर है

– संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

गणित के एक सूत्र जिसमें हमें महारत हासिल करने की ज़रूरत है और जो हमें स्कूल में गणित की कक्षा में नहीं पढ़ाया जाता। स्कूल में हम सीखते हैं कि एक जमा एक दो होता है लेकिन अध्यात्म में हम सीखते हैं कि एक जमा एक बराबर एक होता है। यानि हमारी आत्मा जब परमात्मा से मिलती है तो वो दो नहीं एक हो जाती है। प्रभु के साथ इस एकता का अनुभव करना तभी संभव है जब हम यह महसूस करते हैं कि हम सब एक ही हैं। इस दिव्य अनुभव को हम केवल ध्यान-अभ्यास के द्वारा ही प्राप्त कर सकते हैं। नहीं तो सारी उम्र हम यह सोचते हैं कि हम और परमात्मा अलग हैं। हमारा यही द्वैत हमें परमात्मा से मिलने से रोकता है।

हमारा अहंकार हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि हम परमात्मा से ही नहीं बल्कि दूसरों से भी अलग हैं। जब हम अपना अहंकार खो देते हैं तभी हम आध्यात्मिक रूप से तरक्की करते हैं और उतना ही अधिक हम खुद को परमात्मा के करीब पाते हैं। जैसे-जैसे हमारा अहंकार कम होता जाता है, वैसे-वैसे हमें यह अनुभव होना शुरू हो जाता है कि हम सब एक हैं।

जब हम ध्यान-अभ्यास के माध्यम से अपनी रूहानी यात्रा पर जाते हैं तो हमें यह अनुभव होता है कि हमारे अंदर परमात्मा का वही प्रकाश है जो अन्य जीवों में है। चाहे वह मानव हो या पशु। हमें यह भी अनुभव हो जाता है कि हममें से कोई भी किसी अन्य जीव से श्रेष्ठ नहीं है। हम ऐसी स्थिति में पहुँच जाते हैं जहाँ हम यह मानते हैं कि सभी महत्त्वपूर्ण हैं। चाहे हम बाहर से अलग-अलग दिखते हैं लेकिन परमात्मा की नज़र में हम सभी एक समान हैं। जैसे ही हम अपने अंतर में परमात्मा की ज्योति का अनुभव करते हैं, हम सभी को परमात्मा के एक ही परिवार के रूप में देखते हैं। हमें यह अनुभव हो जाता है कि न कोई ऊँचा है न कोई नीचा। हमारे चिन्ह-चक्र अलग-अलग हो सकते है लेकिन हम सब एक जैसे ही हैं। इस ब्रह्मांड में हम सभी की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। कोई भी व्यक्ति किसी दूसरे से ज्यादा खास नहीं है क्योंकि परमात्मा की नज़र में हम सब एक समान हैं। ध्यान-अभ्यास हमें सभी जीवों को एक समान देखने में मदद करता है। हम मानते हैं कि कोई भी व्यक्ति जो एक चौकीदार, क्लर्क या कैशियर है, वह उतना ही अधिक महत्त्वपूर्ण है जितना कि किसी कम्पनी का कोई मालिक। हमें समझ आता है कि किसी कम्पनी का मालिक कर्मचारियों के बिना काम नहीं कर सकता। चाहे वे अधिक वेतन पाने वाले हों या सबसे कम वेतन पाने वाले। चाहे किसी भी नौकरी में उनका खास स्तर हो या वो एक सामान्य आजीविका कमाने वाला इंसान हो। सभी लोग अपनी-अपनी जगह महत्त्वपूर्ण हैं। भले ही हम बाहरी रूप से रंग, रूप, समाज, संस्कृति आदि के स्तर पर अलग दिखते हैं लेकिन पिता-परमेश्वर की संतान होने के नाते हम सभी एक समान हैं। ऐसा जीवन जिसमें हमारे अंदर सभी लोगों के लिए प्यार और सम्मान की भावना हो, परमात्मा की एक खास बख़्शीश है। जब हम परमात्मा को याद करने के लिए ध्यान-अभ्यास पर बैठते हैं तो हम खुद को आत्मिक रूप में अनुभव करते हैं।

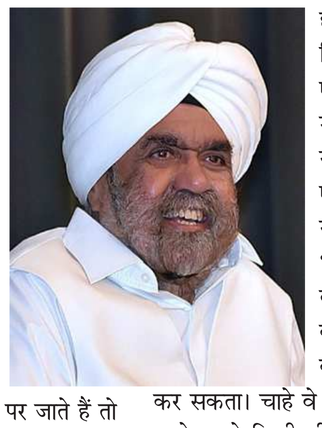

जब हम अपने अंदर उस आध्यात्मिक चेतनता से जुड़ते हैं, तब हमारे अंदर एक बहुत बड़ा बदलाव आता है। हम दूसरों के साथ प्रेम और सम्मान के साथ व्यवहार करना शुरू कर देते हैं। हमारा अहंकार कम हो जाता है और हम महसूस करते हैं कि आत्मा के स्तर पर हम सभी एक समान हैं। हम सबसे प्यार करने लग जाते हैं, हम निःस्वार्थ भाव से सभी की सेवा करते हैं। हम दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करते हैं जैसा हम चाहते हैं कि लोग हमारे साथ करें। जब किसी को मदद की ज़रूरत होती है तो हम उनके दुःख-दर्द को महसूस करते हैं और उनकी मदद करने के लिए कदम बढ़ाते हैं। जब हम अपना द्वैत खो देते हैं तो हम परमात्मा के साथ एक हो जाते हैं। हम अनुभव करते हैं कि केवल एक ही परमात्मा है जो कई हिस्सों में विभाजित है।

आईये! हम प्रतिदिन ध्यान-अभ्यास में समय व्यतीत करें क्योंकि इससे न केवल हमारा अपना आध्यात्मिक विकास होगा बल्कि पूरे विश्व में शांति का प्रसार होगा। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने अंदर इस अनुभूति को प्राप्त कर लेता है कि एक जमा एक बराबर एक होता है तो यह दुनिया एक दिन शांति और प्रेम का स्थल बन जाएगी।

गैरसैंण में बजट सत्र को लेकर मुकम्मल नहीं व्यवस्थाएं : ऋतु खडूड़ी

देहरादून,संवाददाता। उत्तराखंड में आगामी विधानसभा बजट सत्र की तैयारियां जोरों-शोरों से चल रही हैं। संभावना जताई जा रही है कि 17 फरवरी से बजट सत्र आहूत हो सकता है। जिसे देखते हुए उत्तराखंड सरकार ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। सरकार जन भावनाओं के अनुरूप बजट बनाने की कवायद में जुटी हुई है। अभी तक विधानसभा बजट सत्र की तिथि और जगह तय नहीं की गई है। उससे पहले ही विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूड़ी ने राज्य सरकार से देहरादून में ही विधानसभा बजट सत्र करवाने का निवेदन किया है। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई है।

शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूड़ी ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान ऋतु भूषण खंडूड़ी ने कहा कि उत्तराखंड के दोनों विधानसभा सदनों देहरादून और भराड़ीसैंण में ई-सेवा के तहत कार्य किया गया है। इसके जरिये इन्हें डिजिटल किया गया है। जिससे पेपरलेस विधानसभा सत्र संचालित किया जा सके। देश के तमाम राज्यों की विधानसभाएं, डिजिटल हो चुकी हैं। इसी क्रम में उत्तराखंड की विधानसभाओं को भी डिजिटल कर दिया गया है। वर्तमान समय में देहरादून विधानसभा को डिजिटल बना दिया गया है। अभी भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा भवन डिजिटलाइज्ड नहीं हो पाया है। इसके साथ ही भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा भवन में साउंड भी काफी ईको करती है।

भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा भवन में साउंड ईको की समस्या को देखते हुए आईआईटी रुड़की से मुलाकात की गई। साथ ही उनसे कहा गया था कि ईको होने की वजहों की स्टडी करके इस समस्या को दूर किया जाए, लेकिन अभी तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। जिसके चलते वह सरकार से निवेदन कर रही हैं कि आगामी विधानसभा बजट सत्र को देहरादून में ही आयोजित किया जाये, क्योंकि भराड़ीसैंण में विधानसभा सचिवालय पूरी तरह से तैयार नहीं हो पाया है। साथ ही उन्होंने कहा कि काम की प्रक्रिया पिछले एक साल से चल रही है। रुड़की आईआईटी भी पिछले तीन महीने से काम कर रहा है। भराड़ीसैंण में व्यवस्थाओं को पूरा करने में थोड़ी देरी जरूर हुई है, लेकिन अगले दो-तीन महीने में सारी व्यवस्थाएं मुकम्मल कर ली जाएंगी। यही वजह है कि वो देहरादून में विधानसभा बजट सत्र कराए जाने का अनुरोध सरकार से कर रही हैं।

ऋतु भूषण खंडूड़ी ने कहा अगर राज्य सरकार भराड़ीसैंण में ही सत्र कराए जाने का मन बनाती है, तो फिर भराड़ीसैंण में ही सत्र कराए जाएंगे, लेकिन जो असुविधा होगी वो सभी को होगी। उन्होंने कहा विधानसभा बजट सत्र कहां हो ये सरकार का निर्णय है। जिसके कारण वे सरकार से सिर्फ इसके लिए निवेदन कर रही हैं।

बहादराबाद में नहर पटरी पर मिला युवक का शव, क्षेत्र में मचा हड़कंप

हरिद्वार, संवाददाता। बहादराबाद थाना क्षेत्र में शुक्रवार को नहर पटरी पर एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है. शव मिलने की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई है. मृतक युवक की पहचान गोपाल गुप्ता उम्र 38 वर्ष के रूप में हुई है. गोपाल गुप्ता लक्सर स्थित मेन बाजार के निवासी थे. वो पिछले आठ महीनों से ईएमओ के रूप में जिला अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रहे थे.

शव मिलने की सूचना बहादराबाद पुलिस को दी गई. सूचना मिलने के बाद एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल भी घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. बहरहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि प्रथम दृष्टया हत्या का मामला लग रहा है. हालांकि पुलिस सभी संभावित पहलुओं की बारीकी से जांच कर रही है. शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है. वहीं, फॉरेंसिकटीम भी मौके पर साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है. एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने बताया कि बॉडी पर कुछ मार्क्स दिखे हैं, जिसके आधार पर लग रहा है कि मामला हत्या से जुड़ा हो सकता है.

दस दिवसीय डेयरी फार्मिंग प्रशिक्षण शिविर का समापन

रुद्रप्रयाग,संवाददाता। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान की ओर से विकासखंड अगस्त्यमुनि के कोठगी गांव में आयोजित दस दिवसरीय डेयरी फार्मिंग प्रशिक्षण शिविर का समापन हो गया है। 20 जनवरी से आयोजित शिविर में 26 ग्रामीण महिलाओं ने प्रतिभाग किया। इस दौरान महिलाओं को डेयरी फार्मिंग व बर्मी कंपोस्ट बनाने सहित जैविक खेती का प्रशिक्षण दिया गया।

आरसेटी के निदेशक किशन सिहं रावत ने बताया कि डेयरी व्यवसाय पहाड की

25 प्रतिभागियो ने पास की आरसेटी की मुल्यांकन परीक्षा

भौगोलिक परिस्थिति के हिसाब से उन्नत व्यसाय है। उन्होने कहा कि बाजार में दुध व दुध से बने उत्पादो की काफी मांग है। पहाड़ों की अधिकाश मातृशक्ति पशुपालन और कृषि कार्य से जूडी है। लेकिन आज भी अधिकाश पौराणिक तरीको से ही कार्य कर रही है। प्रशिक्षण में महिलाओ को पशुपालन से उन्नत लाभ प्राप्त के साथ ही पशु नश्ल सुधार दुग्ध व्यवसाय व बर्मी कंपोस्ट की जानकारी दी गई। उन्होने महिलाओं को बैंकिग, डिजिटल बैंकिग, वितीय साक्षरता की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान आरसेटी की मुल्यांकन परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें 25 प्रतिभागियों ने सफलता हासिल की। इस दौरान आरसेटी के पूर्व निदेशक विनोद गुप्ता, संकाय सदस्य वीरेन्द्र बर्त्वाल, मास्टर ट्रेनर राकेश बिष्ट, संदीप पाण्डेय, सोनाली देवी, अनीता, दिक्कु देवी, सविता देवी, सुनीता देवी सहित अन्य मौजूद थे।

विद्यालयों में मनाया गया परवाह थीम के साथ सड़क सुरक्षा माह

रुद्रप्रयाग,संवाददाता। पुलिस विभाग के तत्वाधान में जनपद के विभिन्न विद्यालयों में परवाह थीम के साथ सड़क सुरक्षा माह मनाया गया। जिसमें छात्रों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर चित्रकला, स्लोगन व निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। गुरूवार को जिला मुख्यालय स्थित गुरुराम राय स्कूल तिलणी में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली निरीक्षक मनोज नेगी और यातायात उपनिरीक्षक कमल कुमार ने छात्रों को छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी। अभियान के तहत यातायात जन-जागरुकता से सम्बन्धित चित्रकला, निबंध लेखन और स्लोगन प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत भी किया। सरस्वती शिशु मन्दिर घोलतीर में चौकी प्रभारी जयवीर सिंह ने छात्र-छात्राओं को ट्रैफिक नियमों सहित साइबर अपराध एवं वित्तीय धोखाधड़ी की जानकारी दी। इस दौरान ट्रैफिक जन जागरुकता से सम्बन्धित ड्राइंग, निबंध लेखन और स्लोगन प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करने के बाद जागरुकता रैली निकाली। वहीं राइका एवं राबाइका अगस्त्यमुनि थाने के उपनिरीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह एवं अपर उपनिरीक्षक योगेश शर्मा के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों का पालन करने, वाहन चालकों को यातायात नियमों शराब पीकर वाहन न चलाने, ओवर लोडिंग न करने, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन न चलाने, ओवरस्पीड, दुपहिए वाहन में तीन सवारी न बिठाने, आदि के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। सभी को गुड सेमेरिटन स्कीम की जानकारी देते हुए सड़क दुर्घटना के दौरान घायलों की मदद के लिए प्रेरित किया।

यूसीसी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से करें मैरिज रजिस्ट्रेशन

चमोली, संवाददाता। उतराखण्ड राज्य में 27 जनवरी,2025 से समान नागरिक संहिता लागू हो गई है। इससे राज्य में प्रत्येक नागरिक के संवैधानिक और नागरिक अधिकार एक समान हो गए हैं। विवाह, विवाह विच्छेद या लिविंग रिलेशन का पंजीकरण कराना सभी के लिए अनिवार्य है। ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी और शहरी क्षेत्र में अधिशासी अधिकारी कार्यालय में पंजीकरण कराया जा सकता है। समान नागरिक संहिता के तहत पंजीकरण के लिए एक पोर्टल्ह्वष्.ह्वद्य.द्दश्1.द्ब्ठ्ठबनाया गया है, जिसमें लॉगिन कर स्वयं भी पंजीकरण किया जा सकता है। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि यूसीसी पोर्टल पर पंजीकरण के लिए तहसील स्तर पर एसडीएम को रजिस्ट्रार और नगर क्षेत्र में अधिशासी अधिकारी और ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों को सब रजिस्ट्रार नामित किया गया है। इस संबंध में किसी भी प्रकार की अपील उप जिलाधिकारी कार्यालय मे की जा सकती है। उन्होंने बताया कि 26 मार्च,2010 के बाद सभी को विवाह, विवाह विच्छेद तथा लिविंग रिलेशन का समान नागरिक संहिता लागू होने के 6 माह के अन्दर पंजीकरण कराना अनिवार्य किया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि आगामी 03 फरवरी को क्लेक्ट्रेट परिसर में समान नागरिक संहिता को लेकर कार्यशाला का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने जनपद के नागरिकों से अपील की है कि 26 मार्च,2010 के बाद विवाह और लिविंग रिलेशन का पंजीकरण यूसीसी पोर्टल पर अवश्य कराएं। ताकि बाद में किसी प्रकार की समस्या न हो।

श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र की चार सड़कों का होगा कायाकल्प : डॉ. धन सिंह रावत

देहरादून, संवाददाता। श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र की खस्ताहाल सड़कें अब चमचमाती नजर आयेगी। क्षेत्र के खिर्सू व पाबौं ब्लॉक की चार सड़कों के डामरीकरण व सुधारीकरण के लिये सरकार ने पांच करोड़ से अधिक की धनराशि स्वीकृत की है। इन सड़कों के निर्माण कार्य के लिये प्रथम किस्त के तौर पर चालीस हजार की धनराशि अवमुक्त कर दी है। जिसका शासनादेश जारी कर दिया गया है।

सूबे के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी बयान में बताया कि श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र में खस्ताहाल मोटर मार्गों का सुधारीकरण की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जा रही है। प्रथम चरण में विधानसभा क्षेत्र के खिर्सू एवं पाबौं विकासखंड की चार सड़कों के डामरीकरण एवं सुधारीकरण के लिये सरकार ने 5 करोड़ 12 लाख की धनराशि स्वीकृत कर दी है। जिसमें

सरकार ने मोटरमार्गों के डामरीकरण को मंजूर किये पांच करोड़, कहा, सड़कों के सुधारीकरण में रखा जायेगा गुणवत्ता का विशेष ध्यान

फरासू-मनदोली-चकवाली मोटर मार्ग के लिये 74.61 लाख की धनराशि मंजूर की है।

इसी प्रकार खण्डाह कोटी नेसु दुर्गाकोट के लिये एक करोड़ 58 लाख, स्वीत गहड़ ओडला मोटरमार्ग के लिये एक करोड़ 6 लाख तथा सकल्याणा मल्ला मोटरमार्ग के डामरीकरण एवं सुधारीकरण के लिये एक करोड 72 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है। इन सभी मोटरमार्ग के डामरीकरण एवं सुधारीकरण के लिये सरकार ने पहली किस्त के तौर पर 40 हजारी की धनराशि अवमुक्त कर दी है। जिसका शासनादेश जारी कर दिया गया है। लगभग 6 किलोमीटर की इन तीनों सड़कों का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा शीघ्र ही किया जायेगा। डॉ. रावत ने बताया कि क्षेत्र की इन चार सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जायेगा, अगर सड़क के डामरीकरण एवं सुधारीकरण में किसी भी प्रकार की कोताही बरती गई तो संबंधित अधिकारी व कार्यदायी संस्था के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जायेगी। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों द्वारा लम्बे समय से इन सड़कों के डामरीकरण की मांग की जा रही थी जिस पर जल्द ही काम शुरू कर दिया जायेगा। डॉ. रावत ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में सभी सड़ाकों को गड्ढा मुक्त किया जायेगा इसके लिये पुरानी एवं क्षतिग्रस्त सड़कों का तेजी से सुदृढ़ीकरण कर लोगों को हो रही दिक्कतों को दूर किया जायेगा ताकि क्षेत्र की सड़कों पर आवागमन में आसानी हो।

एक देश एक चुनाव पर तेजी, जेपीसी करेगी आयोग से मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में एक देश एक चुनाव को अमली जामा पहनाने की तैयारी तेज हो गई है। इस मसले पर गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने बड़ा कदम उठाते हुए चुनाव आयोग के अधिकारियों और सभी राजनीतिक दलों के प्रमुखों को बुलाने का फैसला किया है। इनसे संविधान संशोधन विधेयक पर राय ली जाएगी, ताकि इसे लागू करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। इन कवायदों से यह साफ हो गया है कि जेपीसी केवल कागजी बैठकें करने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि देशभर के राज्यों का दौरा करके क्षेत्रीय दलों से भी उनकी राय लेगी। माना जा रहा है कि कई क्षेत्रीय पार्टियों को एक देश एक चुनाव पर आपत्तियां हैं, जिन्हें दूर करने की कोशिश की जाएगी। इसके अलावा, जेपीसी पूर्व सुप्रीम कोर्ट के जजों और विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को भी चर्चा में शामिल करने की योजना बना रही है। देश में एक देश एक चुनाव पर शुक्रवार को संसद के दोनों सदनों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सरकार इन अहम सुधारों को तेजी से आगे बढ़ा रही है। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि एक देश एक चुनाव की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है। बीते एक दशक में हमारी सरकार ने विकसित भारत की यात्रा को नई ऊर्जा दी है।

हादसे भी नहीं रोक पा रहे आस्था के कदम, महाकुंभ में अब तक 30 करोड़ ने लगाई पवित्र डुबकी

महाकुंभ नगर, एजेंसी। महाकुंभ के मौके पर पतित पाविनी गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर पुण्य की डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। त्रिवेणी के तट पर श्रद्धालुओं का सैलाब आस्था के समंदर में घुलता-मिलता नजर आ रहा है। सफर की दुश्वारियों और पैदल चलने से हुई थकान को मां गंगा अपने आंचल में समा कर मिनटों में समाप्त कर रही हैं और यह पावन डुबकी लगाकर वापस घर लौट रहे श्रद्धालुओं के चेहरे पर साफ नजर आ रहा है। शुक्रवार भोर से सुबह दस बजे तक दस लाख कल्पवासियों समेत 56 लाख 72 हजार श्रद्धालु त्रिवेणी में पवित्र स्नान कर चुके थे, जिन्हें मिलाकर महाकुंभ में अब तक स्नान करने वालों की संख्या बढ़ कर 29 करोड़ 64 लाख हो चुकी है। इस बीच प्रयागराज जिला प्रशासन ने साफ किया है कि मेला क्षेत्र को छोड़ कर प्रयागराज में वाहनो के प्रवेश पर फिलहाल कोई प्रतिबंध नहीं है।

जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मांदड़ ने कहा कि प्रयागराज कमिश्नरेट से 'डायवर्जन स्कीम' (वाहनों के प्रवेश और निकास) हटाई जा रही है। इससे पहले गुरुवार की सुबह मेला क्षेत्र में गाडियों की एंट्री पर रोक लगा दी गई थी। उन्होंने कहा कि ''सोशल मीडिया पर एक सूचना तेजी से वायरल हो रहा है कि चार फरवरी तक प्रयागराज में वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

यह समाचार पूरी तरह से निराधार है। प्रयागराज में वाहनों का प्रवेश (डायवर्जन स्कीम) मौनी अमावस्या को देखते हुए प्रतिबंधित किया गया था, जिसे 30 तारीख से हटाया जा रहा है। 31 जनवरी एक फरवरी और चार फरवरी को प्रयागराज में वाहनो का प्रवेश सुचारु रहेगा, जबकि बसंत पंचमी स्नान पर्व के मद्देनजर दो और तीन फरवरी को नगर में वाहनों पर प्रवेश निषेध रहेगा। जहां तक मेला क्षेत्र की बात है, तो इसके लिए मेला प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देश मान्य होंगे।

पुंछ में आतंकी साजिश नाकाम, सतर्क सेना ने ढेर किए 2 दहशतगर्द

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में सतर्क सेना के जवानों ने पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों की कोशिश को नाकाम करते हुए गुरुवार रात दो घुसपैठियों को ढेर कर दिया। सेना ने शुक्रवार को कहा कि कल रात आतंकवादियों की गतिविधि का पता चलने के बाद सतर्क सैनिकों ने घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की और यह रात भर जारी रही। इस कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए।

उन्होंने बताया कि मौके पर तलाशी में युद्ध में बड़ी संख्या में हथियार और गोला बारूद मिले हैं। उन्होंने बताया कि सेना का अभियान जारी है। इससे पहले गुरुवार को पुंछ सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की कोशिश का सुराग मिलते ही जवानों ने अभियान शुरू कर दिया था और घुसपैठियों के साथ गोलीबारी शुरू हो गयी थी। इससे पहले, कठुआ जिले के बिलावर के वन क्षेत्र में भी 25 जनवरी को संदिग्ध आतंकवादियों और सेना के जवानों के बीच गोलीबारी के बाद सुरक्षा बलों ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया था।

संक्षिप्त समाचार...

मुंबई हमले के सूत्रधार तहव्वुर राणा का जल्द होगा प्रत्यर्पण, अमरीका में शुरू हुई प्रक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई में 26 नवंबर 2008 के आतंकवादी हमले के सूत्रधार तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो गया है और अब भारत एवं अमरीका की सरकारों के बीच प्रक्रिया को लेकर काम शुरू हो गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में कहा कि अमरीकी सुप्रीम कोर्ट ने 21 जनवरी 2025 को आरोपियों की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। अब हम मुंबई आतंकी हमले के आरोपी के भारत प्रत्यर्पण के लिए प्रक्रियात्मक मुद्दों पर अमरीकी पक्ष के साथ काम कर रहे हैं। श्री जायसवाल ने कहा कि इस बारे में होने वाली प्रगति की सूचना साझा की जाएगी।

एक हफ्ते में 8 बार आया जलजला, खौफ में जनता

देहरादून, संवाददाता। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद में शुक्रवार को एक बार फिर भूकम्प के झटके महसूस किए गए। यहां पिछले शुक्रवार से अभी तक कुल आठ बार धरती डोल चुकी है। सौभाग्य यह है कि अभी तक इससे कोई हताहत नहीं हुआ है। उत्तरकाशी के जनपद आपदा परिचालन केंद्र प्रभारी डीएस पटवाल ने बताया कि आज सुबह जिला मुख्यालय और मनेरी क्षेत्र में 09ः28ः35 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। इसका केंद्र बाडाहाट रेंज नाल्ड के जंगलों में पाया गया है। उन्होंने बताया कि भूकम्प की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 02.07 मैग्नीट्यूट मापी गई है। यह भूकम्प 30.79 उत्तर अक्षांश और 78.51 पूर्वी देशांतर पर 05 किमी गहराई में स्थित था। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय मे किसी प्रकार की क्षति की सूचना प्राप्त नहीं हुई है। जनपद में कुशलता हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले लगभग एक सप्ताह से उत्तरकाशी में रुक-रुककर भूकंप के झटके आ रहे हैं। बीते 24 जनवरी की सुबह भूकंप के तीन झटके आए थे, जिसमें दो झटकों की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.5 व 3.5 मैग्नीट्यूड थी। इनमें एक बेहद हल्का झटका होने से रिक्टर पैमाने पर दर्ज नहीं हुआ था। अगले दिन 25 जनवरी को भी दो झटके आए, जिसमें पहला 2.4 मैग्नीट्यूड का था। दूसरा रिक्टर पैमाने पर दर्ज नहीं हुआ था। गत बुधवार अपराह्न 3ः28 बजे 2.7 मैग्नीट्यूड का झटका महसूस किया गया था। गुरुवार को शाम 7ः31 बजे भूकंप का सातवां झटका महसूस किया गया। भूकंप के लगातार आ रहे झटकों से लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

मिलकर बढेंगे, तो हमारी पीढियां विकसित, सशक्त, समर्थ और समृद्ध भारत देखेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देशवासियों से एकता के संकल्प को दोहराते हुए भारत को विकसित राष्ट्र के सपने को पूरा करने के लिए कटिबद्ध आह्वान करते हुए कहा कि सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं और विश्व समाज में देश की विश्वनीयता और प्रभाव बढ़ा है। श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को संसद के बजट सत्र पहले दिन दोनों संदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जब हम साथ मिलकर बढेंगे तो हमारी पीढियां अवश्य ही विकसित, सशक्त, समर्थ और समृद्ध भारत देखेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के प्रयासों से आज 'वैश्विक अस्थिरता के वातावरण में भारत आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्थिरता का स्तंभ बनकर विश्व के सामने आदर्श प्रस्तुत कर रहा है।' उन्होंने कहा कि जी-7 शिखर बैठक, क्वाड, ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन और जी-20 शिखर सम्मेलन बैठकों में भारत के सामर्थ्य और नीति पर पूरे विश्व ने भरोसा जताया है। राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में युवाओं, महिलाओं, किसानों और समाज के अन्य वर्गों तथा देश के विभिन्न क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए एक वृहत चित्र प्रस्तुत किया और कहा कि सरकार आधुनिक बुनियादी ढांचे, डिजिटल-सार्वजनिक प्लेटफार्मों के विकास के साथ-साथ भारत के समृद्ध सांस्कृतिक विविधताओं को भी विश्व के पटल पर बढ़ा रही है।

मां से बदला लेने के लिए 3 साल की बच्ची को किया किडनैप

चॉकलेट दिलाने के बहाने बच्ची को ले गया था आरोपी

हरिद्वार, संवाददाता। हरिद्वार की कनखल पुलिस ने तीन साल की बच्ची के अपहरण के मामले को महज 10 घंटे में सुलझा लिया। पुलिस ने बच्ची को सकुशल बरामद कर अपहरणकर्ता को गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया है।

गुरुवार को कनखल क्षेत्र की एक महिला ने थाना कनखल पहुंचकर पुलिस को सूचना दी कि उसका एक परिचित बब्बू पुत्र ओमी, निवासी भीखनपुर सरकी, थाना सैदनंगली, जिला अमरोहा, उत्तर प्रदेश दोपहर के समय घर आया था और उसकी तीन वर्षीय बच्ची को चॉकलेट और नमकीन दिलाने के बहाने घर से बाहर ले गया, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने आसपास काफी खोजबीन की लेकिन बच्ची और आरोपी बब्बू का कुछ पता नहीं चल सका। जब उन्होंने बब्बू के मोबाइल नंबर पर संपर्क करने की कोशिश की, तो वह स्विच ऑफ आ रहा था। परिवार की शिकायत पर तुरंत मुकदमा दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल को इसकी जानकारी दी गई।

एसपी सिटी पंकज गैरोला और सीओ सिटी जूही मनराल को पूरे मामले की निगरानी का निर्देश दिया गया और कनखल थानाध्यक्ष मनोज नौटियाल के नेतृत्व में पुलिस टीमें गठित कीं गई।

बब्बू का मोबाइल नंबर स्विच ऑफ होने के कारण उसकी लोकेशन ट्रेस करना कठिन हो रहा था। ऐसे में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने की रणनीति अपनाई। घटनास्थल और आसपास के 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया। फुटेज में यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी बच्ची को लेकर ई-रिक्शा से हरिद्वार बस अड्डे पहुंचा और फिर दिल्ली जाने वाली बस में सवार हो गया। हरिद्वार पुलिस ने तुरंत दिल्ली और आसपास के मुखबिरों को अलर्ट कर दिया, कई जगहों की तलाशी के बाद गाजियाबाद रेलवे स्टेशन के पास आर्यनगर में आरोपी के होने की सूचना मिली। बिना समय गंवाए पुलिस टीम ने मौके पर दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और बच्ची को सुरक्षित बचा लिया।

एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने तकनीकी और जमीनी स्तर पर सटीक जांच की। सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच और मुखबिरों की मदद से पुलिस ने आरोपी की लोकेशन ट्रेस की और बिना समय गंवाए उसे धर-दबोचा।

पूछताछ में सामने आया कि पीड़ित बच्ची की मां ने आरोपी की शादी अपनी जान पहचान की महिला से करवाई थी। लेकिन कुछ ही समय बाद पति-पत्नी में अनबन रहने लगी। जानकारी के मुताबिक शादी के बाद बब्बू की पत्नी को उसके शराब पीने और मारपीट करने की आदत से परेशानी होने लगी व कुछ ही समय बाद उसकी पत्नी ने उसे छोड़ दिया और अलग रहने लगी। इसके बाद बब्बू बच्ची की मां पर अपनी पत्नी वापस लाने के लिए दबाव डालने लगा। जब बात नहीं बनी, तो उसने बदला लेने के इरादे से बच्ची का अपहरण कर लिया और उसे गजरौला के बजाय गाजियाबाद ले गया, ताकि पुलिस को गुमराह किया जा सके। वह बच्ची को लेकर लखनऊ जाने की फिराक में था, लेकिन हरिद्वार पुलिस ने उसके मंसूबों पर पानी फेर दिया।

रायपुर पुलिस के हाथ लगे दो 10-10 हजार के इनामी नशा तस्कर

3 किलो से ज्यादा चरस की बरामद

देहरादून,संवाददाता। थाना रायपुर पुलिस ने 2 इनामी चरस तस्करों को एफडी भवन रायपुर के पास से गिरफ्तार किया है। तस्करों के कब्जे से 3 किलो 335 ग्राम चरस बरामद की गई है। बरामद चरस की कीमत 7 लाख रुपए है। दोनों तस्करों के खिलाफ पहले भी थाना रायपुर में एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने दोनों तस्करों पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।

दरअसल रायपुर पुलिस ने नशे के कारोबार में शमिल आरोपियों और नशे की गिरफ्त में आए व्यक्तियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए टीम गठित की है। इसी बीच टीम को कुछ नशा तस्करों के देहरादून में मादक पदार्थों की सप्लाई करने की जानकारी मिली, जिस पर टीम ने थाना क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया।

चेकिंग अभियान के दौरान एफडी भवन रायपुर के पास संदिग्ध वाहन को चेकिंग के लिये रोका गया। वाहन की तलाशी लेने पर वाहन सवार नीरज कठैत और सौरभ चौहान के कब्जे से 3 किलो 335 ग्राम चरस बरामद हुई। जिसके बाद पुलिस ने दोनों चरस तस्करों को गिरफ्तार कर लिया।

बता दें कि चरस तस्कर नीरज कठैत और सौरभ चौहान के 2 साथी धर्मराज धामी और आयुष रावत को पहले ही 3 किलो 500 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया जा चुका है, लेकिन नीरज कठैत और सौरभ चौहान अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए थे। जिससे तलाश के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी।

थाना रायपुर प्रभारी प्रदीप बिष्ट ने बताया कि दोनों नशा तस्कर लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल हैं। दोनों तस्कर पहाडी क्षेत्रों से चरस को एकत्रित कर देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार और अन्य स्थानों पर सप्लाई करते थे। जिससे उन्हें अच्छा मुनाफा होता था। उन्होंने कहा कि तस्करों ने बताया कि वो चरस को टिहरी और मसूरी से खरीदकर लाए थे, जिसे देहरादून और हरिद्वार में सप्लाई करना जाना था। प्रदीप बिष्ट ने बताया कि तस्करों ने चरस बिक्री से प्राप्त पैसों से कार खरीदी थी, जिसे वो चरस की सप्लाई करने के दौरान उपयोग करते थे। उन्होंने कहा कि आरोपियों से पूछताछ में कुछ अन्य नशा तस्करों के संबंध में जानकारियां प्राप्त हुई हैं, जिस पर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

शीघ्र होगा कार्तिक स्वामी मंदिर की महिमा का बखान

रुद्रप्रयग,संवाददाता। क्रौंच पर्वत के शीर्ष पर विराजमान देव सेनापति भगवान कार्तिक स्वामी की महिमा पर आधारित पहली हिन्दी स्तुति श्री कार्तिकेय नमाम्यहम फरवरी माह के दूसरे सप्ताह में सोशल मीडिया मे प्रकाशित होने वाली है। भगवान कार्तिक स्वामी की महिमा पर आधारित स्तुति केदारघाटी ऊखीमठ के लक्षण सिंह नेगी ने लिखी है, जबकि उत्तराखंड की लोक गायिका पूनम सती व अनूप नेगी ने स्वर दिया है। स्तुति की रिकार्डिंग कर्मा स्टूडियो देहरादून में की गयी है तथा स्तुति को संगीत भी अनूप नेगी ने दिया है, जबकि रेनू बाला, सोनम व ब्रिज पंवार ने कोरस में साथ दिया है। भगवान कार्तिक स्वामी की स्तुति मे उनके बाल्यावस्था तथा क्रौंच पर्वत की महिमा के साथ चौखम्भा हिमालय का विस्तृत गुणगान किया गया है। स्तुति के निर्माता एलएस नेगी ने बताया की भगवान कार्तिक स्वामी की स्तुति मे क्रौंच पर्वत से निकलने वाली पांच गंगाओ, बीहड चट्टानों के मध्य जल कुण्ड तथा क्रौंच पर्वत के आंचल मे फैले ढाढिक की सुन्दरता का गुणगान भी किया गया है। उन्होंने बताया कि स्तुति मे अलकनंदा, मन्दाकिनी व कर्माजीत, कौलाजीत की महिमा का भी वर्णन किया गया है। बताया कि भगवान कार्तिक स्वामी की महिमा पर आधारित हिन्दी स्तुति प्रकाशित करने का मुख्य उद्देश्य देवसेनापति कुमार कार्तिकेय व क्रौंच पर्वत तीर्थ की महिमा को देश-विदेश में पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि स्तुति को जन-जन तक पहुंचाने के लिए शैलारानी सामाजिक ट्रस्ट की चैयरमेन ऐश्वर्या रावत ने विशेष सहयोग किया है तथा कार्तिक मन्दिर समिति क्रौंच पर्वत तीर्थ, बाबा केदारनाथ दास सेवा मण्डल अगस्त्यमुनि, जगमोहन सिंह नेगी, गोपाल सिंह नेगी, श्रीमती बसन्ती देवी, अर्जुन सिंह नेगी, देवानन्द गैरोला, चयन सिंह नेगी, रोबिन चौधरी, यदुवीर पुष्वाण, प्रकाश पुरोहित, बलवीर नेगी, सतीश भट्ट, सन्दीप बेजवाल आदि द्वारा सहयोग किया गया है।

बालिका महोत्सव पर छात्राओं को दी अनेक जानकारियां

रुद्रप्रयाग,संवाददाता। बालिका महोत्सव के अवसर राबाइका रुद्रप्रयाग में छात्राओं को बाल यौन उत्पीड़न तथा मानव तस्करी के सम्बन्ध में जागरुक कर उनके अधिकारों व कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रहलाद कोंड़े ने जनपद के सभी थाना प्रभारियों को व्यापक जन-जागरुकता के माध्यम से छात्र-छात्राओं को जागरुक करने के निर्देश दिए थे। राजकीय बालिका इन्टर कॉलेज रुद्रप्रयाग में आयोजित बालिका महोत्सव के अवसर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रुद्रप्रयाग मनोज नेगी ने छात्राओं को बाल यौन उत्पीड़न तथा मानव तस्करी के सम्बन्ध में जागरुक किया। साथ ही उनके अधिकारों व कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। सोशल मीडिया के प्रयोग के सम्बन्ध में जागरुक करते हुए किसी भी अंजान व्यक्ति से बात नहीं करने और अपनी निजी जानकारी किसी से शेयर नहीं करने की जानकारी भी दी।

संक्षिप्त समाचार...

माँ बासंती माता मंदिर सिद्ध पीठ बना वर्तमान में आस्था का केंद्र : आचार्य संदीप पोखरियाल

ऋषिकेश, संवाददाता। ऋषिकेश के रायवाला में स्थित माँ बासंती माता मंदिर सिद्ध पीठ वर्तमान में आस्था का केंद्र बना हुआ है। आचार्य संदीप पोखरियाल ने बताया कि दर्शन के लिए लोग यहां दूर-दराज से आते है। यह मंदिर में 1854 में बना था। साल में एक बार ज्येष्ठ के माह में दशहरे पर यहां मेला लगता है । यहां बड़े भाव एवं श्रद्धा के साथ भक्तों के मनोरथ पूर्ण होते हैं। यहां स्थित एक व्यक्ती दो कन्याओं को लेकर आए। वहीं स्थित बस्ती होने के कारण महंत जी का आवास था। जैसे ही लोग बच्चे देखने आये तो वहां मौजूद दो बच्ची की मूर्ति बन गयी थी वो मूर्ति तब से स्थपित हो गयी। उस बची की बड़ी बहन तोड़ी दूर स्थित होशियारी चलकर पहुंची जहां लोगों ने देखा तो वह मूर्ति में स्थापित हो गयी। वह एतिहासिक मंदिर माँ काली का है बाल स्वरूप विगत 350 वर्ष पुराना है यह सिद्ध पीठ नवरात्रों में किए जाते है। इस मंदिर में विशेष पूजा ज्येष्ठ एवं आषाढ़ माह में की जाती है।

कलेक्ट्रट में बुजुर्ग व दिव्यांग फरियादियों के लिए डेडिकेटेड वाहन सुविधा जल्दः डीएम

देहरादून,संवाददाता। जिलाधिकारी सविन बसंल ने जनता दर्शन व जनसुनवाई कार्यक्रम में आने वाले बुजुर्गो एवं दिव्यांगों को समस्या के निस्तारण हेतु व अन्य कार्यालयों में परिवहन के लिए अभिनव पहल करते हुए इस कार्य के लिए एक समर्पित वाहन की व्यवस्था की है, जिसका कार्यादेश निर्गत किया गया है। अब जल्द ही एक वाहन मिलने जा रहा है जो बुजुर्ग एवं दिव्यांग के लिए परिवहन का कार्य करेगा। जनता दर्शन व जनसुनवाई कार्यक्रम में आने वाले बुजुर्ग, दिव्यांग एवं जरूरतमंद फरियादियों जिनकी शिकायतों व समस्याओं के निस्तारण के लिए अन्य विभागों में सीनियर सिटीजन सेल, विकासभवन आदि के लिए परिवहन के लिए जिलाधिकारी अपने कार्यालय के वाहन से भेजते थे, अब डीएम ने इसके लिए एक समर्पित वाहन की व्यवस्था कर दी है जिसके लिए एमजी कॉमेट कम्पनी को इलेक्ट्रीक वाहन उपलब्ध कराने के लिए कार्यादेश जारी कर दिए गए हैं, जल्द ही वाहन मिल जाएगा जो कलेक्टेªट परिसर में रहेगा। इसके एक वाहन चालक तथा एक होमगार्ड तैनात रहेगा जो फरियादियों को सम्बन्धित कार्यालयों में पहुंचाने का कार्य करेगा।

विजय कुमार ने 143 किग्रा क्लीन एंड जर्क में राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी

55 किग्रा वेटलिफ्टिंग में जीता स्वर्ण पदक

देहरादून,संवाददाता। उत्तराखंड-छत्तीसगढ़ के वेटलिफ्टर विजय कुमार ने 38वें राष्ट्रीय खेल में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 55 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने 143 किग्रा क्लीन एंड जर्क में उठाकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की और कुल 248 किग्रा (105 किग्रा स्नैच .143 किग्रा क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान हासिल किया।

विजय की यह जीत केवल एक पदक नहीं, बल्कि उनके कठिन परिश्रम, संघर्ष और अटूट समर्पण की कहानी है। साधारण परिवार से आने वाले विजय के पास महंगे पोषण सप्लीमेंट या विशेष प्रशिक्षण के लिए संसाधन नहीं थे, लेकिन उनके सपने बड़े थे। शुरुआती दिनों में साधारण दाल-चावल ही उनका आहार था, लेकिन उनकी महत्वाकांक्षा हमेशा बुलंद रही। अपनी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर विजय ने कहा कि मेरे माता-पिता को वेटलिफ़्टिंग में कोई भविष्य नहीं दिखता था। वे चाहते थे कि मैं इसे छोड़ दूं, लेकिन यह मेरा जुनून था, मेरा एकमात्र लक्ष्य। आज का स्वर्ण पदक इस बात का प्रमाण है कि मेरा संघर्ष सही था।

इस सफर में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा, जिनमें सबसे बड़ी चुनौती उनकी पुरानी हैमस्ट्रिंग चोट थी। कई बार उन्होंने खुद भी संदेह किया कि क्या वे कभी शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर पाएंगे। लेकिन उनकी मेहनत और दृढ़ संकल्प ने उन्हें विजयी बना दिया। यह स्वर्ण पदक उनके लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उनके माता-पिता और कोच के प्रति समर्पण का प्रतीक भी है। विजय ने भावुक होते हुए कहा, यह पदक उन्हीं के लिए है। उन्होंने मुझ पर भरोसा किया, जब किसी और ने नहीं किया।

इस ऐतिहासिक जीत से कुछ सप्ताह पहले, विजय ने सोशल मीडिया पर एक प्रेरणादायक संदेश साझा किया थारू 'मेरा सफर तब तक जारी रहेगा, जब तक मैं सफल नहीं हो जाता' और आज, उन्होंने अपने शब्दों को सच कर दिखाया। विजय कुमार की यह उपलब्धि न केवल उनके लिए बल्कि हर युवा एथलीट के लिए प्रेरणा है। यह दिखाती है कि यदि हौसले बुलंद हों और मेहनत में कोई कमी न हो, तो कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती।

भारतीय महिलाएं लगातार दूसरी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में

क्वालालंपुर, एजेंसी। पारुनिका सिसोदिया, वैष्णवी शर्मा के (तीन-तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद जी कमालिनी (नाबाद 56) और जी तृषा (35) की बेहतरीन बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने महिला अंडर-19 टी-20 विश्वकप के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को नौ विकेट से करारी हार देकर फाइनल में जगह बना ली है। फाइनल में भारतीय टीम खिताब के लिए दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। 114 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की जी कमालिनी और जी तृषा की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की। नौवें ओवर में हालांकि फोबे ब्रेट ने जी तृषा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। जी तृष्णा ने 29 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए (35) रन बनाए।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आई सनिका चलके ने जी कमालिनी के साथ विजयी साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए 15 ओवर में एक विकेट पर 117 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। जी कमालिनी ने 50 गेंदों में आठ चौके लगाते हुए (नाबाद 56) रन बनाए। वहीं, सनिका चलके (11) रन पर नाबाद रही। इससे पहले भारत की ओर से पारुनिका सिसोदिया, वैष्णवी शर्मा ने तीन-तीन विकेट लिए। आयुषी ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने जिला अवैध खनन निरोधक दल की बैठक ली

चमोली, संवाददाता। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने शुक्रवार को जिला अवैध खनन निरोधक दल की बैठक लेते हुए सभी एसडीएम, पुलिस, परिवहन और खान अधिकारियों को जनपद में अवैध खनन की पूर्ण रोकथाम करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि खनन मामलों में आरोपित अर्थदंड की अवशेष धनराशि की वसूली में तेजी लाए। तहसील स्तर पर गठित अवैध खनन निरोधक दल की नियमित बैठक करते हुए अवैध खनन मामलों में सक्रियता से काम किया जाए। मानसून से पहले नदियों में रिवर ड्रेजिंग के लिए शीघ्र टेंडर कराते हुए जल्द से जल्द नदी किनारे जमा सिल्ट को हटाया जाए और नदियों की चौडाई और गहराई को पुनः स्थापित किया जाए। ताकि बरसात में किसी प्रकार की समस्या न हो। खनिज भंडारण स्थलों का समय-समय पर निरीक्षण किया जाए और खनन मामलों में आरोपित अर्थदंड की वसूली के लिए तहसील स्तर पर प्रत्येक माह समीक्षा करते हुए अरोपित अर्थदंड को राजकोष में जमा कराना सुनिश्चित करें।

जिला खनन अधिकारी अंकित चंद ने बताया कि खनन निरोध दल ने 01 अप्रैल 2023 से अब तक 84 अवैध खनन के प्रकरणों में चालान की कार्रवाई करते हुए 1.82 करोड़ का अर्थदंड लगाया गया है। जिसमें से 55.10 लाख धनराशि जमा हो गई है और 1.27 करोड़ धनराशि अवशेष है। जिसमें तहसील चमोली में 2 लाख, कर्णप्रयाग में 55 हजार, पुलिस विभाग द्वारा 2 लाख और खनन विभाग द्वारा 1.22 करोड़ की वसूली शेष है। अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण से अर्थदण्ड/रायल्टी में तहसील कर्णप्रयाग स्तर पर 17.74 लाख, जोशीमठ में 52.63 लाख पोखरी 7.48 लाख तथा थराली में 41 हजार की धनराशि अवशेष है। बैठक में उप जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, खनन अधिकारी अंकित चंद, सीओ मदन सिंह बिष्ट, एसडीओ विकास, प्रभारी संभागीय अधिकारी विक्रम कुमार सहित तहसीलों से वर्चुअल माध्यम से सभी एसडीएम मौजूद थे।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने प्रोजेक्ट रिवाइव के तहत अपना चौथा पायलट प्रोजेक्ट किया लॉन्च

देहरादून। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने एप्सिलॉन ग्रुप की इकाई एलआईसीओ मटेरियल्स के सहयोग से प्रोजेक्ट रिवाइव के तहत बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) का अनावरण किया। इस उन्नत बीईएसएस में पुनः उपयोग की गई एमजी जेडएस ईवी बैटरियों का समावेश किया गया है, जो सर्कुलर ईवी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए नवाचार अपनाने की कार निर्माता की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पारंपरिक समाधानों की तुलना में इस उत्पाद की आयु चार गुना अधिक है और यह परिचालन लागत को 60 प्रतिशत तक कम कर सकता है।

यह जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया का प्रोजेक्ट रिवाइव के तहत दूसरा जीवन बैटरी अनुप्रयोगों के लिए चौथा पायलट प्रोजेक्ट है। कंपनी समान उद्देश्यों वाली संस्थाओं के साथ सार्थक साझेदारियां कर रही है ताकि ईवी बैटरियों की प्राथमिक आयु के बाद की संभावनाओं का उपयोग किया जा सके। पिछली पहलों में किए गए महत्वपूर्ण नवाचारों के साथ, यह परियोजना जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया द्वारा अब तक की सबसे उन्नत तैनाती को दर्शाती है। यह परियोजना स्थिरता पर केंद्रित है और भारत के लिए स्वच्छ ऊर्जा भविष्य को आकार देने में बीईएसएस तकनीक की क्षमता को उजागर करती है। बीईएसएस ग्रिड स्थिरता का समर्थन करता है, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करता है और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को अधिकतम करता है।

एप्सिलॉन ग्रुप की इकाई एलआईसीओ मटेरियल्स, जो लिथियम-आयन बैटरियों के जीवन समाप्ति पर पुनर्चक्रण और पुनर्निर्माण में अग्रणी है, ने इस परियोजना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने तीन बहुपयोगी मॉडल विकसित किए हैं, जो उन्नत तकनीक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को जोड़ते हैं तथा आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों की विविध ऊर्जा भंडारण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

तीनों उत्पादों में 18केडब्ल्यूएच, 100केडब्ल्यूएच और 300केडब्ल्यूएच क्षमता के साथ विविध ऊर्जा भंडारण की सुविधा है, जो विश्वसनीयता सुनिश्चित करती है। सभी मॉडलों में उन्नत सुरक्षा तंत्र शामिल हैं, जिनमें इमर्शन ऑयल कूलिंग और हीटिंग, बहु-स्तरीय सुरक्षा डिज़ाइन और स्मार्ट थर्मल प्रबंधन प्रणाली शामिल हैं। पूरा पोर्टफोलियो -20 डिग्री सेल्सीयस से 60 डिग्री सेल्सीयस तक के व्यापक तापमान दायरे में प्रभावी रूप से कार्य करता है, और प्रत्येक प्रणाली 5 वर्ष से अधिक की वारंटी के साथ आती है, जो दीर्घकालिक विश्वसनीयता सुनिश्चित करती है।

इस अवसर पर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की हेड ईवी एंड इनोवेशन इकोसिस्टम, नेहा जैन ने कहा, प्रोजेक्ट रिवाइव हमारे लिए एक महत्वपूर्ण पहल है क्योंकि यह हमारी ईवी बैटरियों को दूसरा जीवन देकर ईवी इकोसिस्टम को अधिक टिकाऊ बनाने में मदद करता है। सार्थक साझेदारियों के माध्यम से हम विविध अनुप्रयोगों के लिए स्थायी ऊर्जा भंडारण समाधानों की एक श्रृंखला बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एलआईसीओ मटेरियल्स के साथ हमारी साझेदारी उन्नत तकनीक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को मिलाकर अद्वितीय समाधान विकसित करने की हमारी इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुझे पूरा विश्वास है कि 'प्रोजेक्ट रिवाइव' के तहत अनूठी पहलों की सफल तैनाती ईवी इकोसिस्टम में परिपत्रता लाने में मदद करेगी और एक हरित व अधिक टिकाऊ भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगी। विक्रम हांडा, प्रबंध निदेशक, एप्सिलॉन कार्बन, ने टिप्पणी की, एप्सिलॉन ग्रुप में, हम नवाचार को एक ऐसे उपकरण के रूप में देखते हैं जिससे एक अधिक टिकाऊ भविष्य बनाया जा सके। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के साथ श्प्रोजेक्ट रिवाइवश् पर इस सहयोग और एलआईसीओ के लिग्रिड सिस्टम के माध्यम से, हम यह पुनर्परिभाषित कर रहे हैं कि ऊर्जा को कैसे संग्रहीत और उपयोग किया जाता है। यह केवल तकनीक के बारे में नहीं हैकृयह उस तरीके पर स्थायी प्रभाव डालने के बारे में है जिससे हम अपनी दुनिया को शक्ति प्रदान करते हैं।

बुमराह को तीसरी बार पॉली उमरीगर पुरस्कार, महिलाओं में मंधाना का नाम

मुंबई, एजेंसी। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पुरुष वर्ग में 2023-24 के सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पॉली उमरीगर पुरस्कार के लिए चुना गया, जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने महिला वर्ग में यह पुरस्कार जीता। बुमराह को 2024 में कौशल, सटीकता और निरंतरता के साथ शानदार प्रदर्शन करने के लिए आईसीसी का टेस्ट और ओवरऑल साल का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया। शनिवार को ये अवॉर्ड खिलाड़ियों को दिया जाएगा। बुमराह ने 2018-19 और 2021-22 के बाद तीसरी बार पॉली उमरीगर पुरस्कार जीता है। विराट कोहली ने पांच बार इसे जीता है। सचिन तेंदुलकर और रविचंद्रन अश्विन दो-दो बार, जबकि शुभमन गिल ने पिछले साल वनडे में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के लिए इसे जीता था।

आसन झील में नजर आया दुर्लभ पलाश फिश ईगल का जोड़ा

प्रवासी पक्षियों के झुरमुट से गुलजार हुआ रामसर साइट

देहरादून,संवाददाता। आसन कंजर्वेशन रिजर्व रामसर साइट में कई सालों बाद दुर्लभ पलाश फिश ईगल का जोड़ा नजर आया है। जिससे वन महकमा और पक्षी प्रेमी गदगद हैं। यह ईगल पक्षी का जोड़ा गणना के दौरान दिखाई दिया है। जबकि, गणना के दौरान 117 प्रकार के स्थानीय और प्रवासी पक्षी पाए गए हैं। वहीं, इन दिनों प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट से आसन झील का नजारा देखते ही बन रहा है।

बता दें कि यहां सर्दियों का मौसम आहट देते ही विदेशी परिंदों का आगमन शुरू हो जाता है। जिसके तहत रामसर साइट आसन झील (बैराज) में हजारों प्रवासी पक्षियों का झुरमुट नजर आने लगता है। ये पक्षी साइबेरिया, यूरोप, ईरान, इराक, अफगानिस्तान समेत उच्च हिमालयी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आते हैं। जिनकी हिफाजत का जिम्मा चकराता वन प्रभाग का होता है। इस दौरान वन महकमा पक्षियों की गणना भी करता है।

इस बार भी रामसर साइट आसन कंजर्वेशन रिजर्व में पक्षियों की गणना की गई। जिसके तहत दुर्लभ पलाश फिश ईगल भी दिखाई दिया है। जिसने आसन झील की शान को और दोगुना कर दिया। वहीं, आसन झील में प्रवासी पक्षियों के दीदार करने के लिए काफी संख्या में सैलानी और पक्षी प्रेमी आते हैं। जो पक्षियों को निहारने के साथ अपने कैमरे में उनकी तस्वीरें कैद करते नजर आते हैं। स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की कलरव एवं चहचहाहट से आसन झील का नजारा देखते ही बनता है। चकराता वन प्रभाग के पक्षी विशेषज्ञ प्रदीप सक्सेना ने बताया कि आसन झील में अक्टूबर महीने के पहले हफ्ते से प्रवासी पक्षियों का आना शुरू हो जाता है। जो फरवरी अंतिम हफ्ते में अपने देश की लौटने लग जाते हैं। जिसका सिलसिला मार्च महीने तक रहता है। उसके बाद स्थानीय पक्षी ही आसन झील में दिखाई देते हैं।

जिला स्तरीय अधिकारी करेंगे जिले के गांवों का भ्रमण

रुद्रप्रयाग,संवाददाता। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में क्षेत्रीय जनता की समस्याओं का निराकरण करने के साथ ही शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से ग्रामीणों को अवगत कराने के उद्देश्य से सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत जनपद स्तरीय अधिकारी गांव में भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं का निराकरण करेंगे।

मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती ने बताया कि जनवरी माह के लिये जारी रोस्टर के अनुसार उप वन संरक्षक कल्याणी विकास खंड अगस्त्यमुनि की ग्राम पंचायत भैंसगांव में भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगी। इसी तरह अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ग्राम पंचायत कमेड़ा, जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार ग्राम पंचायत आगर में तथा परियोजना निदेशक विमल कुमार ग्राम पंचायत मयकोटी में ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र कुमार बिष्ट विकास खंड अगस्त्यमुनि की ग्राम पंचायत कांदी में तथा उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष घिल्डियाल ग्राम पंचायत क्वीली में भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे। इसके अलावा उप जिलाधिकारी जखोली भगत सिंह फोनिया विकास खंड जखोली की

ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर करेंगे उनका निराकरण

ग्राम पंचायत उरोली में तथा उप जिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल कुमार शुक्ला ग्राम पंचायत दैड़ा में भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे। जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ग्राम पंचायत तिनसोली, अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड खुशवंत सिंह चौहान सौड़ भट्टगांव, अधिशासी अभियंता पीएमजीएसवाई पवन कुमार ग्राम पंचायत उत्तसूं, अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग प्रेरणा जगूड़ी विकास खंड ऊखीमठ की ग्राम पंचायत ल्वारा तथा प्रभारी जिला सूचना अधिकारी रती लाल उनियाणा में भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे। इस तरह कुल 45 जनपद स्तरीय अधिकारियों को विकास खंडवार ग्राम पंचायतों का आवंटन किया गया है। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि सभी अधिकारी उन्हें आवंटित ग्राम पंचायतों का भौतिक स्थलीय निरीक्षण करने के साथ ही उस ग्राम में जल संरक्षण एवं जल संवर्द्धन से संबंधित कार्यों की निगरानी करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि अधिकारी उन्हें आवंटित ग्राम पंचायत की भ्रमण आख्या जिला कार्यालय व मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

सूबे के पांच जनपदों में बनेंगे आधुनिक वेयरहाउसः डॉ. धन सिंह रावत

विभागीय मंत्री ने जिलाधिकारियों को दिये भूमि चयन के निर्देश

कहा, खत्म होगी भण्डारण की समस्या, किसानों को मिलेगा लाभ

देहरादून, संवाददाता। राज्य भण्डारण निगम प्रदेश के पांच जनपदों में आधुनिक सुविधाओं के साथ 40 हजार मिट्रिक टन क्षमता के गोदामों का निर्माण करेगा। इस संबंध में संबंधित जनपदों के जिलाधिकारियों को गोदाम निर्माण के लिये भूमि का चयन कर एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं।

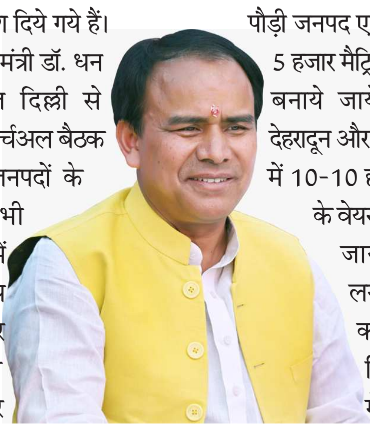

सूबे के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज दिल्ली से सहकारिता विभाग की वुर्चअल बैठक ली। जिसमें विभिन्न जनपदों के जिलाधिकारियों ने भी प्रतिभाग किया। बैठक में डॉ. रावत ने विभागीय अधिकारियों को प्रदेशभर में भंडारण क्षमता के विस्तार और इसे बाजार की मांग के अनुरूप तैयार करने के निर्देश दिये। ताकि बड़े पैमाने पर खाद्यान्न एवं उर्वरकों का भण्डारण किया जा सके। डॉ. रावत ने कहा कि प्रदेश के पांच जनपदों 40 हजार मैट्रिक टन क्षमता के गोदाम बनाये जायेंगे जो आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे। जिसमें पौड़ी जनपद एवं टिहरी जनपद में 5-5 हजार मैट्रिक टन क्षमता के गोदाम बनाये जायेंगे जबकि हरिद्वार, देहरादून और ऊधमसिंह नगर जनपद में 10-10 हजार मैट्रिक टन क्षमता के वेयरहाउस का निर्माण किया जायेगा। जिसके लिये लगभग 22 एकड भूमि की आवश्यकता है। विभागीय मंत्री ने बैठक में पांचों जनपदों के जिलाधिकारियों को अपने-अपने जनपद में गोदामों के निर्माण के लिये भूमि का चयन कर एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भण्डारण क्षमता बढ़ाना अति आवश्यक है और इसके लिये प्रत्येक स्तर पर ठोस कदम उठाने होंगे। डॉ. रावत ने कहा कि राज्य भण्डारण निगम के तहत वर्तमान में प्रदेशभर में 131550 मेट्रिक टन क्षमता के भण्डारण की सुविधा उपलब्ध है, जिसका विस्तार किया जाना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में निगम के द्वारा पर्वतीय जनपदों में कोल्ड स्टोरेज खोलने जायेंगे ताकि काश्तकार अपने उत्पादों को इसमें सुरक्षित रख सके। इसके अलावा सेना और आईटीबीपी के लिये भी कोल्ड स्टोरेज खोले जाने की योजना है। डॉ. रावत ने बताया कि वर्तमान में रूद्रपुर, गदरपुर, गूलरभोज, काशीपुर, रामनगर, किच्छा, सितारगंज, नानकमत्ता, हल्द्वानी, अल्मोड़ा, हरिद्वार, विकासनगर और नकरौंदा में उत्तराखंड राज्य भंडारण निगम के भंडार गृह उपलब्ध है। इन सभी भंडार गृह में 131550 क्षमता में से 119634 मेट्रिक टन ही उपयोग में है। वर्चुअल बैठक में अपर सचिव सहकारिता व निबंधक सहकारी समितियां सोनिका, टिहरी, पौड़ी, देहरादून, हरिद्वार एवं ऊधमसिंह नगर के जिलाधिकारी, एमडी राज्य भण्डारण निगम रामिन्द्री मंद्रवाल सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

चमोली पुलिस का जनजागरुकता अभियान सुरक्षा और जागरूकता की ओर एक कदम

चमोली, संवाददाता। जनपद पुलिस द्वारा छात्र-छात्राओं एवं आमजमानस को जागरूक करने के लिए चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत आज थानाध्यक्ष थराली पंकज कुमार द्वारा राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज थराली एवं चौकी प्रभारी गौचर उपनिरीक्षक मानवेन्द्र गुंसाई द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, गौचर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्रों को सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, नशे के दुष्प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर किया गया जागरूक।

कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए पुलिस अधिकारियों ने छात्रों को यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने और अपने परिजनों व आस-पास के लोगों को भी यातायात के नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया।

आज के डिजिटल युग में साइबर अपराध को एक बड़ी चुनौती मानते हुए उन्होने छात्रों को बताया कि सोशल मीडिया, ऑनलाइन लेनदेन और इंटरनेट का प्रयोग करते समय क्या सावधानियाँ बरतनी आवश्यक है। सोशल मीडिया पर अजनबियों से दोस्ती, संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने और निजी जानकारी साझा करने से हम किस तरह साइबर अपराध का शिकार हो सकते है। इस पर विस्तृत चर्चा करते हुए इससे बचने के उपाय भी साझा किए। महिला सुरक्षा को चमोली पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए पुलिस अधिकारियों ने विशेषकर छात्राओं और महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराध यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, छेड़छाड़ व अन्य अपराधों के खिलाफ अपनी आवाज उठाने तथा अपनी सुरक्षा के कुछ सरल उपायों और स्थानीय पुलिस से किस प्रकार सहायता ली जाए इस संबंध में विस्तृत जानकारी दी। नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों के प्रति युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए पुलिस अधिकारियों ने छात्रों को बताया कि नशा किस प्रकार उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उनके भविष्य को भी प्रभावित करता है। उन्होने कहा कि नशा जीवन को बर्बाद कर देता है व नशे की लत से दूर रहकर ही आप अपने सपनों को साकार कर सकते है।

केदारनाथ यात्रा 2025: तैयारियों में जुटा प्रशासन

घोड़े-खच्चरों तथा दुकानों के संचालन के लिये बाहरी व्यक्तियों को पूर्णतः प्रतिबंधित करने की मांग

केदारनाथ विधायक की उपस्थिति में ब्लॉक सभागार ऊखीमठ में बैठक का आयोजन

रुद्रप्रयाग,संवाददाता। ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम की 2025 की यात्रा को सुगम, सुव्यवस्थित एवं बेहतर ढंग से संचालित करने को लेकर केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल एवं जिलाधिकारी सौरभ गहरवार की अध्यक्षता में विकासखंड सभागार ऊखीमठ में तीर्थ पुरोहितों, केदारसभा, जनप्रतिनिधियों, होटल एसोसिएशन, टैक्सी यूनियन, घोड़ा-खच्चर एवं डंडी-कंडी संचालकों तथा यात्रा से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में यात्रा को बेहतर एवं सुव्यवस्थित ढंग संचालित करने को लेकर उपस्थित सभी लोगों के सुझाव लिए गए।

जन प्रतिनिधियों ने यात्रा के दौरान जाम से निजात दिलाने के लिए यात्रा पड़ाव के विभिन्न स्थानों पर उचित पार्किंग व्यवस्था तथा यात्रा मार्ग में उचित शौचालय व्यवस्था, विद्युत, पानी की उचित सुविधा तथा पैदल यात्रा मार्ग एवं केदारनाथ धाम में आवंटित होने वाली दुकानों, संचालित होने वाले घोड़े-खच्चरों तथा डंडी-कंडी के लिए उचित व्यवस्था पारदर्शिता के साथ करने तथा दुकान आवंटन एवं घोड़ा-खच्चर संचालन के लिए स्थानीय लोगों एवं केदारघाटी में आपदा प्रभावित लोगों को प्राथमिकता देने तथा घोड़े-खच्चरों के संचालन तथा दुकानों का संचालन करने के लिए बाहरी व्यक्तियों को पूर्णतः प्रतिबंधित करने की मांग की गई। इसके साथ ही स्थानीय व्यापारियों को यात्रा शुरू होने से एक माह पूर्व केदारनाथ जाने की अनुमति व हेली कंपनियों की ओर से की जा रही मनमानी तथा स्थानीय व्यापारियों एवं तीर्थ पुरोहितों को हेली सेवा में प्राथमिकता से टिकट की व्यवस्था करने के साथ ही केदारनाथ धाम में रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था को लागू न करने की बात की गई तथा रात्रि 8 बजे के बाद पैदल यात्रा मार्ग में यात्रा का संचालन न करने के साथ ही यात्रा मार्ग में मांस-मदीरा पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के सुझाव बैठक में रखे गए। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने कहा कि केदारनाथ धाम की यात्रा एक महत्वपूर्ण यात्रा है जिसमें देश-विदेश के तीर्थ यात्री दर्शन के लिए पहुंचते हैं तथा उन्हें धाम में उचित सुविधा एवं व्यवस्थाएं उपलब्ध हों इसमें सभी का सहयोग बहुत आवश्यक है तभी हम यात्रा को सुगम एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बैठक में जो भी सुझाव प्राप्त हुए हैं उन सुझावों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। उन्होंने यात्रा मार्ग में लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए स्थानीय लोगों से अपेक्षा की है कि जिनके पास भी भूमि है तथा पार्किंग के लिए उपलब्ध करा सकते हैं इसके लिए वे अपना प्रस्ताव उप जिलाधिकारी को उपलब्ध करा सकते हैं। बैठक में जिन स्थानों में पार्किंग के लिए सुझाव दिए गए हैं उन स्थानों में संबंधित के साथ तहसीलदार को 2-3 दिन के भीतर निरीक्षण कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पेयजल व्यवस्था के लिए अधिशासी अभियंता जल संस्थान को सभी के साथ सोनप्रयाग में बैठक कर तथा जिन स्थानों पर पानी की समस्या है उन्हें चिन्हित कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को नियमानुसार दुकानें आवंटित की जाएंगी जिसमें स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया है कि केदारनाथ यात्रा मार्ग के संवेदनशील क्षेत्रों में किसी भी तरह से कोई दुकान एवं ढाबा संचालित नहीं किया जा जायेगा उन्होंने सभी को आश्वस्त करते हुए कहा कि जो भी सुझाव बैठक में रखे गए हैं उन पर आवश्यक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि केदारनाथ यात्रा को सुगम, सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है तथा केदारनाथ यात्रा स्थानीय लोगों के व्यवसाय से जुड़ी है इसलिए आने वाले तीर्थ यात्रियों को सभी सुविधाएं उपलब्ध हों ताकि बाबा केदारनाथ के दर्शन के बाद तीर्थ यात्री यहां से सुखद एवं आनंद का अनुभव अपने साथ लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की प्राथमिकता है कि केदारनाथ यात्रा को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां चार माह पूर्व ही कर ली गई हैं। इसके साथ ही शीतकालीन यात्रा भी शुरू की गई है जिससे कि शीतकालीन यात्रा में भी तीर्थ यात्री पहुंच रहे हैं जिससे कि स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यात्रा के समय अधिक भीड़ होने पर हमारे जो भी महत्वपूर्ण स्थान है उनका भी बेहतर ढंग से प्रचार-प्रसार किया जाए तथा तीर्थ यात्रियों से दर्शन कराए जाएं। उन्होंने कहा कि इस बैठक में जो भी सुझाव रखे गए हैं उन पर संबंधित अधिकारियों की ओर से गंभीरता से विचार किया जाएगा।

इस दौरान प्रमुख श्वेता पांडेय, अध्यक्ष नगर पंचायत ऊखीमठ कुब्जा धर्मवाण, गुप्तकाशी विश्वेश्वरी देवी, कनिष्ठ प्रमुख शैलेंद्र सिंह मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती, उप जिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल कुमार शुक्ला, जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामपाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष रावत, तहसीलदार प्रदीप नेगी सहित तीर्थ पुरोहित, केदार सभा के प्रतिनिधि, होटल होटल एसोशिएसन, टैक्सी यूनियन, घोड़ा-खच्चर संचालक, जनप्रतिनिधि एवं यात्रा से जुड़े संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

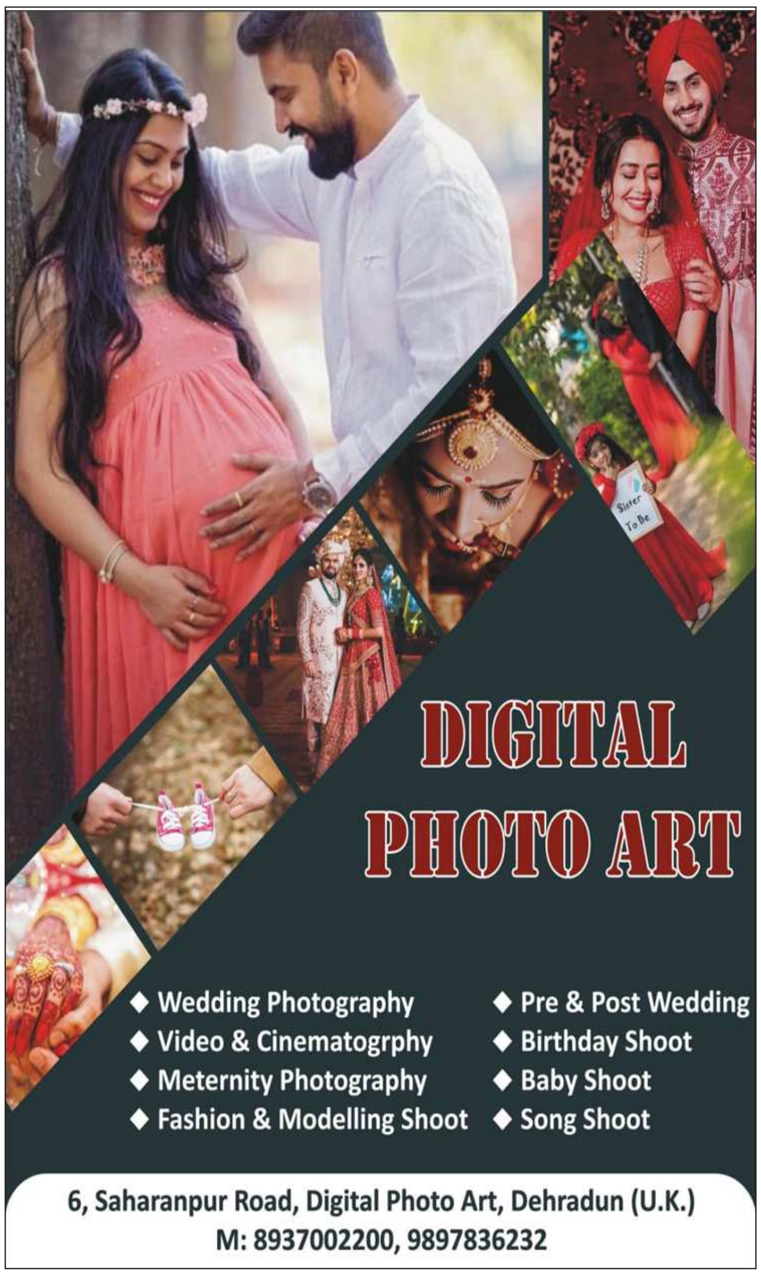

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से सम्बन्धित शिकायतों पर मुख्य सचिव ने मांगी रिपोर्ट

देहरादून,संवाददाता। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से सम्बन्धित शिकायतों के सम्बन्ध में आन्तरिक परिवाद समितियों के गठन के मामले में सभी विभागों की स्थिति स्पष्ट करते हुए रिपोर्ट तलब की है। अभी तक की जानकारी के अनुसार 1549 सरकारी एवं 13 गैर सरकारी आईसीसी का गठन किया गया है। उन्होंने शेष विभागों को तत्काल इस मामले के कार्यवाही के कड़े निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सीएस रतूड़ी ने महिला सशक्तीकरण विभाग को गर्भवती महिलाओं को कॉल सेन्टर के माध्यम से प्रसव से पूर्व तीन अनिवार्य एएनसी की जांच की पुष्टि के लिए अनिवार्यतः दूरभाष से सम्पर्क कर फीडबैक लेने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए संचालित की जा रही गौरा नन्दा देवी सहित सभी योजनाओं की पुष्टि के लिए लाभार्थियों से दूरभाष के माध्यम से सम्पर्क कर फीडबैक लेने के निर्देश दिए हैं कि क्या वास्तव में महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके लिए संचालित की जा रही योजनाओं का लाभ मिल पा रहा है। मुख्य सचिव ने शासकीय बाल देखरेख गृहों, सम्प्रेक्षण गृहों, गैर शासकीय बाल देखरेख संस्थाओं, खुला आश्रय गृह में रहने वाले बच्चों के स्थायी डिजिटल प्रोफाइल बनाने के निर्देश दिए हैं ताकि इन संस्थाओं से जाने के बाद शिक्षा और रोजगार में आत्मनिर्भर होने तक उनकी स्थिति पर निरन्तर निगरानी रखी जा सके। मुख्य सचिव ने महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग को स्टेट रिसोर्स सेन्टर स्थापित करने के लिए एक सप्ताह की डेडलाइन दी है। मुख्य सचिव ने राज्य में ड्रॉप आउट किशोरियों की जानकारी तथा उन्हें पुनः शिक्षा से जोड़ने के डेटा को ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने राज्यभर में स्थापित 14 वन स्टॉप सेन्टर में अभी तक कितनी गर्भवती महिलाओं को प्रतीक्षालय की सुविधा दी गई है, इसकी रिपोर्ट भी जल्द से जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग की राज्य स्तरीय मूल्यांकन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक में 13 किशोर न्याय बोर्ड एवं 13 बाल देखरेख संस्थाओं के स्थान पर ऑनलाइन सुनवाई हेतु वीडियो कान्फ्रेसिंग सुविधा स्थापना के लिए महिला विकास एवं बाल विकास विभाग की प्रंशसा की। बैठक में मुख्य सचिव ने मिशन, वात्सल्य, मिशन शक्ति तथा मिशन आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 योजनाओं की समीक्षा करते हुए इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समयबद्धता एवं गम्भीरता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में सचिव चन्द्रेश यादव सहित महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास व शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं के पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित छाबड़ा, 1 प्लाट नं0 104 ब्लॉक 109 फेस 3 , बालाजी अपॉर्टमेंट देहराखास डीडीएन बालाजी अपॉर्टमेंट, देहरादून उत्तराखंड द्वारा प्रकाशित एवं डी.जी. प्रिंट 48/1 घोसी गली, देहरादून द्वारा मुद्रित। सम्पादकः रोहित छाबड़ा मोबः- 7417010666, सह संपादक - आरूषी सुंदरियाल 8126666064 कार्यकारी सम्पादक- हिमांशु छाबड़ा फैक्सः- 0135-2721716 कानूनी सलाहकारः अमित गोदियाल, आर.एन.आई. नं. U.T.T.H.I.N. 2010/32729
Email: editor.newsdetail@gmail.com समस्त विवाद, देहरादून न्यायलय के अधीन ही होंगे।